>

Title: Regarding recent militant attacks in Kashmir.

SHRI SURESH KODIKUNNIL (MAVELIKKARA): Sir, after the revocation of Article 370, this Government is saying that Jammu & Kashmir is gradually coming back to normalcy but it is not correct. What has happened yesterday? Terrorist attacks took place in Anantnag district of Jammu & Kashmir. One Government officer and one *Sarpanch* were killed. Six others were injured in the cruel attack of terrorists. Where is normalcy in Jammu & Kashmir? Sir, the Government is misleading the House. I have not yet completed my speech. Kindly allow me to complete it.

माननीय अध्यक्ष: आपकी डिमांड क्या है? आप अपनी मांग रखिए ।

…(व्यवधान)

SHRI SURESH KODIKUNNIL : Sir, every day, terrorist attacks are taking place in different parts of Jammu & Kashmir. Where is normalcy in Jammu & Kashmir? Hon. Minister of Home Affairs should come and make a statement on this issue. …(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: सुरेश जी, आप एक मिनट के लिए बैठ जाइए ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आप एक बार बैठिए । सदन यह तय कर ले कि देश की हर आतंकवादी घटना पर सदन चर्चा करेगा । माननीय सदस्य, आपने विषय उठाया है । सरकार ने इसका नोटिस ले लिया है । आतंकवाद की

किसी भी घटना का सदन हमेशा भर्त्सना करता है । देश में आतंकवादी घटना नहीं होनी चाहिए, आपने सरकार के ध्यान में यह विषय डाल दिया ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य ।

…(व्यवधान)

SHRI KODIKUNNIL SURESH : Sir, my submission is that after revocation of Article 370, the situation in Jammu & Kashmir has not come to normalcy.…(*Interruptions*). The Government is misleading the House.…(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : श्री कुलदीप राय शर्मा को श्री कोडिकुन्निल सुरेश द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप रक्षा मंत्री जी का जवाब सुन लीजिए ।

…(व्यवधान)

रक्षा मंत्री (श्री राजनाथ सिंह): अध्यक्ष महोदय, जहां तक इस देश में आतंकवादी वारदातों का प्रश्न है, इस सच्चाई से सभी अच्छी तरह परिचित हैं कि विगत साढ़े 5 वर्षों में जम्मू-कश्मीर को छोड़ कर कहीं पर भी कोई बड़ी आतंकवादी घटना नहीं हुई है । जितना प्रिकॉशन गवर्नमेंट की तरफ से …(व्यवधान) आप पहले हमारी बात सुनिए । …(व्यवधान) फिर हम नहीं बोलेंगे ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अगर आप रक्षा मंत्री जी का जवाब सुनना चाहते हैं, तो बीच में नहीं बोलना चाहिए । अब मैं माननीय रक्षा मंत्री जी को भी एलाऊ नहीं करूंगा । उन्होंने अपनी बात कह दी है । अगर वे बोलेंगे, तो अब आप बीच में नहीं बोलेंगे । आपने अपनी बात कही । आप जवाब मांग रहे थे । सरकार की तरफ से रक्षा मंत्री जी जवाब दे रहे हैं । आप पूरा जवाब सुनिए ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बीच में क्यों खड़े हो जाते हैं?

…(व्यवधान)

श्री राजनाथ सिंह: अध्यक्ष महोदय, जहां तक कश्मीर का प्रश्न है, यह सच है कि विगत 30-35 वर्षों से लगातार आतंकवादी घटनाएं वहां पर होती रही हैं । मैं इसके लिए बधाई देना चाहता हूं, चाहे हमारी सिक्योरिटी फोर्सेज हों, चाहे वह हमारी लोकल पुलिस हो, पैरामिलिट्री फोर्सेज़ हों, आर्मी हो, प्रभावी कार्रवाई, अपनी तरफ से जो बेस्ट कोआर्डिनेशन हो सकता है, उस कोआर्डिनेशन के आधार पर वे करती रही हैं । धारा 370 समाप्त होने के बाद, मैं दावे के साथ यह कह सकता हूं कि पहले के कंपैरिजन में अब आतंकवादी घटनाएं लगभग न के बराबर हो गई हैं ।…(व्यवधान) आप मेरी बात तो सुनिए ।…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): वहां इंटरनेट काम नहीं कर रहा है । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** केवल माननीय रक्षा मंत्री जी की बात नोट हो ।

…(व्यवधान)

श्री राजनाथ सिंह: यदि कोई भी आतंकवादी घटना घटित हुई है, तो स्वाभाविक है कि उसे सभी कंडेम करेंगे, उसको कोई एप्रीशिएट नहीं करेगा । लेकिन मैं इतना कह सकता हूं कि चाहे वहां की आर्मी हो, चाहे वहां की पैरामिलिट्री फोर्सेज़ हों, चाहे वहां की लोकल पुलिस हो, सारे परस्पर कोआर्डिनशन के

आधार पर आतंकवादी घटनाओं के खिलाफ बराबर प्रभावी कार्रवाई अपनी तरफ से कर रहे हैं ।...(व्यवधान) आप चिंता मत करिए । ...(व्यवधान) मैं कहना चाहता हूं कि कश्मीर में तेजी से नार्मल्सी आ रही है ।...(व्यवधान)